अनुसंधान दर्शिका द्वितीय भाग

खण्ड – क

एम.डी. आयुर्वेद शोध प्रबन्ध सारांश

अनुक्रमणिका

8 – शल्य तंत्र

क्र. सं.	शीर्षक का नाम		अध्येता का नाम	पृ.सं.
	1991			
1.	अस्थिभग्न पर अस्थिसंधानक लेप की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. भवानीशंकर शर्मा	1
	1992			
2.	मूत्रवहस्रोतोगत अश्मरी पर वरूणाद्य लौह का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. हीरालाल चौबीसा	2
3.	अस्थिभग्न पर लाक्षादि गुग्गुलु की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. बालगोविन्द गुप्ता	3
	1994			
4.	अर्धावभेदक में कुंकुंम नस्य एवं पथ्यादि कषाय का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. सहदेव आर्य	**4**
5.	विचर्चिका रोग में जलौकावचारण का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. मिलिन्द एन. सूर्यवंशी	5
6.	अर्श चिकित्सा में क्षारसूत्र एवं बैण्डलाइगेशन का कर्मात्मक अध्ययन	:	डा. संजय श्रीवास्तव	6

1995

7.	अधिमन्थ रोग में रक्तमोक्षण की कार्मुकता	:	डा. बलजीत सिंह दाबास	7
8.	मूत्रवहस्रोतोगत अश्मरी पर मूत्रविरेचनीय महाकषाय की कार्मुकता	:	डा. जगदीश प्रसाद वर्मा	8
9.	Study on the effect of Paniakshar and Siravyadh in the management of Yakriddalyudara (Hepatomegaly)	:	Dr. Vindhya Rani	9
10.	रक्तार्श में समङ्गादि चूर्ण की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. दिपालीसुन्दरी वर्मा	10
11.	अर्श चिकित्सा में क्षारसूत्र व सामान्य सूत्र का प्रयोगात्मक अध्ययन	:	डा. रंजना रूसीया	11

1997

12.	रक्तार्श में कुटजादि रसक्रिया की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. महेश दीक्षित	12
13.	आमवात में अग्निकर्म व सिंहनाद गुग्गुलु का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. गुलाब चन्द बैरवा	13
14.	कदर में अग्निकर्म की कार्मुकता	:	डा. रमेश चन्द्र शर्मा	13

1998

15.	Clinical study on Rohitakarista in reference to Cholelithiasis	:	Dr. Hemant Kumar Panigrahi	14

1999

16.	Evaluation of the efficacy of Agnikarma and Physical exercise (Physiotherapy) in the management of Katishoola (Lumbago)	:	Dr. K.Srinivash Kumar	15

17.	अष्ठीला रोग में दशमूलादि क्वाथ का चिकित्सात्मक प्रभाव	:	डा. प्रेमलाल भारती	16
18.	गुदपरिकर्तिका रोग में जात्यादि घृत एवं पंचतिक्त घृत गुग्गुलु की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. राजेश कुमार गुप्ता	16
19.	गृध्रसी रोग की चिकित्सा में सिराव्यध की कार्मुकता	:	डा. ज्ञानीराम मीणा	17

2000

20.	Study of evaluate the efficacy of "Lavanottamadya churna" in the management of Arsha Roga (Haemorroids)	:	Dr. Durve Nilesh Arvind	18
21.	Comparative study of Murivenna Taila and Jatyadi Taila in the management of Fistula in Ano	:	Dr. Gadve Babashab Nana	19
22.	Evaluation of efficacy of Tailadaha & Ksharakarma in Fistula in Ano (Bhagandara)	:	Dr. Bhandekar Rashmi Prakash	20

2001

23.	The Clinical study to evaluate the efficacy of Arshaghna Mahakashaya with Nagkeshara in the management of Raktarsha (Bleeding Piles)	:	Dr. Dhananjaya Sarkar	21
24.	बी.पी.एच. रोग की चिकित्सा में शिलाजत्वादि वटी के प्रभाव का सोनोग्राफीकल अध्ययन	:	डा. उमेश चंद शर्मा	22

25.	धान्वन्तरम् क्वाथ एवं शोथशार्दुल तैल का आघातज शोथ की चिकित्सा में प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. हरिमोहन मीणा	23
26.	The role of submucosal injection of 5% Ksharsolution (Ksharodaka) in Almond oil for the management of Bleeding Piles (Raktarsha) with special reference to Redundant Mucosa	:	Dr. Ramesh Chand	24
27.	जानु संधिवात की चिकित्सा में सिंहनाद गुग्गुलु एवं मुरीवन्ना तैल की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. लालजी	25

2002

28.	A Clinical study of efficacy of Ksharsutra and Kustharakshasa Taila in the management of "Bhagandara" (Fistula in Ano)	:	Dr. Sachin Damodar Kulkarni	26
29.	A Comparative study on the efficacy of Agnikarma & Electrotherapy with Simhanada Guggulu in the management of Katishoola (Lumbago)	:	Dr. Nilesh Kumar Ahuja	27
30.	जलौकावचारण एवं लघुमंजिष्ठादि क्वाथ (घनवटी) की कार्मुकता – विचर्चिका रोग के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. मनोज कुमार शर्मा	28

2003

31.	स्कैबीज की चिकित्सा में पामाहर लेप एवं महातिक्त घृत की कार्मुकता का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. राजेन्द्र कुमार वर्मा	29
32.	विचर्चिका रोग के परिप्रेक्ष्य में जलौकावचारण एवं पंचनिम्बचूर्ण (वटी) की कार्मुकता का एक अध्ययन	:	डा. रामेश्वर प्रसाद गुप्त	30
33.	जीर्ण गुदपरिकर्तिका रोग की चिकित्सा में जात्यादिघृत, त्रिफला गुग्गुलु एवं Anal dilator की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. नमोनारायण मीणा	30
34.	अर्शरोग की चिकित्सा में अर्शोहर मलहर एवं लॉर्ड्स विधि का तुलनात्मक अध्ययन	:	डा. प्रमीला कुमारी	31

2004

35.	अर्श चिकित्सा में स्नुहीक्षीर निर्मित क्षारसूत्र एवं उदुम्बर क्षीर निर्मित क्षार सूत्र का तुलनात्मक अध्ययन	:	डा. सुरेन्द्र कुमार गौतम	32
36.	An indigenous approach to manage the Bhagandara (Fistula in Ano) by two step therapy (Ksharsutra and Ropana - Dravya Sutra)	:	Dr. Aditya Kumar Singh	33
37.	An indegenous approach to manage the Janu Sandhigata Vata (Osteoarthritis of knee joint) by Osteocare Rasayana compound and Knee Traction	:	Dr. Nagendra Mani Dwivedi	34

38.	Evaluation of the efficacy of Kativasti, Electrotherapy & Vatari Guggulu in the management of Katishoola (Lumbago)	:	Dr. Ghanshyam Dhal	35

2005

39.	Clinical evaluation of Leech application in the management of Burger's disease	:	Dr. Arvind Kumar Shakya	36
40.	The Clinical study of Sunishannak Changeri Ghrita and Durva Tail in the management of Raktarsha (Bleeding Piles)	:	Dr. Suman Yadav	37
41.	Comparative study of Madhu coated Ksharsutra and standard Ksharsutra in the management of Bhagandara (Fistula in Ano)	:	Dr. Uday Patankar	38
42.	Clinical evaluation of Vicryl 10 & Ksharsutra in the management of Haemorroids under the influence of Deepan Pachan Yog-Suran Modak	:	Dr. Himanshu Verma	39
43.	Taming the Carcinoma & side effect of Chemotherapy by an indigenous formulation "Tamonco" capsule & syrup	:	Dr. Santosh Kumar Mishra	40